छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर

2019

परीक्षार्थी हेतु

प्रश्न पत्र सेट A, B, C लिखें | B |

पृष्ठ 2 पर दिए गए निर्देश को आवश्यक रूप से पढ़ें।

परीक्षा के नाम की सील: हायर सेकेण्डरी स्कूल सर्टि. परीक्षा

1. विषय कोड | 0 | 5 | 1 | 2. विषय का नाम Hindi (General)

3. दिनांक 11-03-2019 4. माध्यम English

क्रमांक 1702...

अनुक्रमांक (अंकों में)	2	1	9	1	7	1	0	1	1	0
अनुक्रमांक (शब्दों में)	Two	One	Nine	One	Seven	One	Zero	One	One	Zero

परीक्षार्थी हस्ताक्षर

प्रमाणीकरण

...पत्र का अनुक्रमांक, प्रश्न पत्र सेट कोड, माध्यम, विषय कोड, विषय के नाम की जाँच की गयी, ...की गई।

हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष

संस्था V.P.S. Kasalla...

1	15	11	3	21	4
2	2	12	3	22	3½
3	2	13	3	23	4
4	2	14	2½	24	6
5	2	15	3	25	6
6	2	16	3	26	8
7	2	17	3	27	
8	2	18	4	28	
9	2	19	4	29	
10	2	20	4	30	

11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
61	62	63	64	65	66	67	68	69	70
71	72	73	74	75	76	77	78	79	80
81	82	83	84	85	86	87	88	89	90
91	92	93	94	(95)	96	97	98	99	100

कुल प्राप्तांक अंकों में | 0 | 9 | 5 | शब्दों में | शून्य | नौ | पाँच |

3/07/38

हस्ताक्षर परीक्षक

परीक्षक क्रमांक E/HIN/19/004

हस्ताक्षर उपमुख्य परीक्षक

क्रमांक

हस्ताक्षर मुख्य परीक्षक

क्रमांक

StudyDiscuss

2019

② परीक्षार्थी के लिये निर्देश

1. परीक्षार्थी को 40 पृष्ठ की उत्तरपुस्तिका दी गयी है जिसमें से 38 पृष्ठ छात्रों के लिखने हेतु उपलब्ध रहेंगें। इसी उत्तरपुस्तिका में छात्रों को पूरा प्रश्नपत्र हल करना है। इसके अतिरिक्त अलग से पूरक उत्तरपुस्तिका नहीं दी जायेगी।
2. प्रश्नों को हल करते समय प्रश्न कमांक अंकित करके उत्तर लिखें, प्रश्न लिखना आवश्यक नहीं है। इससे परीक्षार्थी के समय की बचत होगी।
3. परीक्षार्थी अपना रोल नम्बर, विषय कोड, विषय का नाम प्रवेश पत्र से देखकर तथा प्रश्न पत्र सेट प्रश्न पत्र से देखकर एवं माध्यम, दिनांक उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्धारित स्थान पर आवश्यक रूप से अंकित करें।
4. रोल नम्बर सामने दिये उदाहरण अनुसार लिखा जावेः–

1	3	2	4	7	9	5	6	0	1
एक	तीन	दो	चार	सात	नौ	पांच	छः	शून्य	एक

5. उत्तरपुस्तिका के पृष्ठों के दोनों ओर लिखें। बीच में स्थान न छोड़ें। भूल से छूटे हुए पृष्ठ या रिक्त स्थान अथवा अंत में बिना लिखे हुए सभी पृष्ठों को कास (Cross X) कर देंवे।
6. उत्तरपुस्तिका के ऊपर/अंदर तथा किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा परीक्षार्थी अपना नाम, पता, फोन नम्बर अथवा अन्य कोई जानकारी जिससे छात्र की पहचान हो सके, अंकित न करें।
7. यदि रफ कार्य हेतु आपको दी गई उत्तरपुस्तिका पर्याप्त है तो उत्तरपुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर रफ कार्य अंकित करके रफ कार्य करें तथा तिरछी रेखा से काट दें। यदि यह उत्तरपुस्तिका पर्याप्त नहीं है तो रफ कार्य हेतु अलग से उत्तरपुस्तिका पर्यवेक्षक से मांगें।
8. परीक्षा केन्द्र पर पुस्तक, लेख, कागज, कैलकुलेटर, मोबाईल, पेजर, किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रानिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि नहीं ले जायें।
9. स्कूल यूनिफार्म, स्केल, कम्पास बॉक्स अथवा अन्य किसी प्रकार से नकल सामग्री लिखकर नहीं लाये। टेबल के आस–पास कोई अवांछनीय सामग्री नहीं होनी चाहिए। नकल करना छत्तीसगढ़ सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) अधिनियम 2008 के तहत दण्डनीय अपराध है।
10. अपनी उत्तरपुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र/रफ कार्य पुस्तिका आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है। अतः परीक्षा समाप्ति पश्चात उत्तरपुस्तिका एवं रफ कार्य पुस्तिका पर्यवेक्षक को सौंपकर परीक्षा कक्ष छोड़ें।
11. निर्देश कमांक 8, 9 एवं 10 का पालन नहीं करने पर अनुचित साधनों के उपयोग के अंतर्गत कार्यवाही की जावेगी।

मूल्यांकनकर्ताओं के लिये निर्देश

1. मूल्यांकनकर्ता उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन लाल स्याही से करेंगे।
2. प्रत्येक पृष्ठ के प्राप्तांक को जोड़कर मूल्यांकनकर्ता अंकों का प्रोग्रेसिव निर्धारित स्थान में लिखना न भूलें एवं जो पृष्ठ कोरे हैं उसे तिरछी लाईन से काट दें तथा उत्तरपुस्तिका के अंतिम पृष्ठ में कुल प्राप्तांक/पूर्णांक लिखना आवश्यक है।
3. मूल्यांकनकर्ता अंकों के योग को मुख्य पृष्ठ पर शून्य से सौ तक दिये गये टेबल में गोल घेरा करें तथा कुल प्राप्तांकों को शब्दों में भी योग लिखें।
4. मैंने सभी प्रश्नों के उत्तरों का मूल्याकंन किया है। उत्तरपुस्तिका के अन्दर के अंक एवं बाहर दर्शाये गये अंक समान हैं एवं योग भी समान है जिसका प्रमाणीकरण मेरे द्वारा मुख्य पृष्ठ पर किया गया है।

[BOARD EXAMINATION - 2019]

[उत्तर - 1]

खण्ड - (अ)

(क) (ख)

i) सारा देश हमारा - वीर ~~रस~~ 1

ii) भूचाल - उपेन्द्र नाथ 'अश्क' 1

iii) संस्कृति और सामूहिक चेतना - देश का प्राण 1

iv) त्रिभुवन - त्रिगुण 1

v) आतप - गर्मी 1

5

(खण्ड - ब)

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

i) जीवन 1

ii) पूर्ण वाक्य 1

iii) मनोवैज्ञानिक 1

iv) निबंध 1

v) आडंबर 1

5

CGBSE
WWW.STUDYDISCUSS.IN

(खण्ड -'स')

i) हिन्दी साहित्य का समृद्धि काल माना गया है-
=> (द) शुक्लोत्तर युग को।

ii) रोहतास पर आक्रमण किया -
=> (ब) शेरशाह ने।

iii) 'कुली' शब्द है -
=> (द) तुर्की।

iv) 'किए गए उपकार को न मानने वाला' कहलाता है :-
=> (द) कृतघ्न।

v) उमा पत्नी थी -
=> (स) कैप्टन विजय की।

5

(उत्तर -2)

दो उपन्यासकारों के नाम तथा उनकी रचना है - 1) जैनेन्द्र कुमार - सुखदा,
2) नागार्जुन - वरुण के बेटे।

2

CGBSE
www.STUDYDISCUSS.IN

5

17	+	4	=	21
योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 5 के अंक		कुल अंक

[उत्तर -3]

देशज शब्द ⇒ वे शब्द जिनकी उत्पत्ति का पता नहीं चलता, वे सामान्य बोलचाल से उत्पन्न हुए हैं, देशज शब्द कहलाते हैं। ये न तो संस्कृत के हैं और न ही हिन्दी के हैं।
उदा० = कटोरा, मिर्च आदि।

(2)

[उत्तर -4]

जहाँ पूर्व और उत्तर दोनों पद की प्रधानता हो, वहाँ 'द्वन्द्व' समास होता है। उदा. माता-पिता - माता और पिता।
दाल-रोटी - दाल और रोटी।

(2)

[उत्तर -5]

सत्संग से मीरा को भगवद् भक्ति की प्राप्ति हुई। सत्संग से मीरा ने अपनी सांसारिक कुबुद्धि को त्याग दिया जिससे उनसे उनके भक्ति में कोई भी बाधा नहीं आई।

(2)

CGBSE
www.studydiscuss.in

6

21	+	6	=	27
योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 6 के अंक		कुल अंक

[उत्तर - 6]

अयोध्या के मँदिर से लौटते समय शुक्ल जी ने देखा कि भिखारी भीख माँगने के साथ-साथ आशीर्वाद दे रहा था, कि बाबू जी की टोपी ऊँची बनी रहे, यह सुनकर शुक्ल जी ने उसे सलाह दी कि इस आशीर्वाद के साथ वह मेम-साहब जी की जूती ऊँची बनी रहे यह वाक्य कहे जिससे उसे महिलाओं से भी भीख मिलेगी।

(2)

[उत्तर -7]

बालक रामचरण बीमार था, रहा कारण था कि वह खाना खाने से इंकार कर रहा था क्योंकि उसने पढ़ा था कि निराहार रहने से रोग ठीक हो जाते हैं।

(2)

[उत्तर -8]

1) नूतन - पुरातन,
2) अनुज - अग्रज,
3) सृष्टि - विनाश,
4) मिलन - जुदाई।

(2)

C G B S E

www.studydiscuss.in

7 | 27 + 4 = 31

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 7 के अंक | कुल अंक

[उत्तर - 9]

रामधारी सिंह 'दिनकर' जी की दो रचनाएँ इस प्रकार हैं -

1. कुरुक्षेत्र
2. रेणुका ।

(2)

[उत्तर - 10]

छत्तीसगढ़ी किसान के मकान छोटे - छोटे झोपड़े होते हैं। उसी में आँगन तथा परछी (बरामदा) होता है। उसी में पूरा परिवार गुजारा करता है। एक कमरे में गाय का कोठा होता है जिसके ऊपर मचान होती होती है जिसमें कण्डा, पैरा आदि रखा जाता है।

(2)

[उत्तर - 11]

मुस्लिम संप्रदाय तथा हिन्दू संप्रदाय, ताजमहल और गंगा पर अपनी विशेष आस्था रखते हैं। परन्तु इस आस्था ने सांप्रदायिक संकीर्णता का रूप धारण कर लिया है, जिसके वजह से वह

CGBSE
www.studydiscuss.in

8

31 + 6 = 37

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 8 के अंक | कुल अंक

- ताजमहल जो विश्व में सौंदर्य का प्रतीक है, तथा भागीरथ के अथक प्रयास से धरती पर अवतरित गंगा, ऋषि-मुनियों का मुक्ति स्थल गंगा मात्र घायल हैं, क्योंकि वे मौन होकर बदलते बदलते इतिहास को केवल देख रहे हैं तथा लोगों की संकीर्ण मानसि-कता के शिकार हो रहे हैं।

3

[उत्तर - 12]

समास — समास विग्रह

1) पंचवटी - पाँच वटों का समूह (द्विगु समास),

ii) नगरवासी - नगर के वासी (तत्पुरुष समास),

3

iii) पाप-पुण्य - पाप और पुण्य, (द्वन्द्व समास)

[उत्तर - 13]

जनतंत्र में जनता अधिकारि-यों की ईमानदारी तथा हमदर्दी को महत्व

CGBSE
WWW.STUDYDISCUSSION

देती है। जनतंत्र में जनता और सरकार के बीच कोई विभाजक रेखा नहीं होती है, इसलिए अधिकारियों को स्वार्थ को छोड़कर देश हित के लिए कार्य करना चाहिए। इसी को जनता महत्व देती है।

(3)

[उत्तर-15]

जिस प्रकार माँ से पुत्री का जन्म होता है, ठीक उसी प्रकार ईर्ष्या से निंदा का जन्म होता है। जब कोई मनुष्य किसी की तरक्की से ईर्ष्या करता है, तो वह उसकी निंदा भी करने लगता है।

इसलिए यह कहना उचित होगा कि "ईर्ष्या की बड़ी पुत्री निंदा है"। ईर्ष्या से युक्त मनुष्य ज़हर की गठरी के समान होता है, जो वातावरण को दूषित करता है तथा ईर्ष्या और निंदा करने में ही अपना सारा समय व्यर्थ गवाँता है।

(2½)

CGBSE
WWW.STUDYDISCUSS.IN

10	42½ + 3 = 45½
	योग पूर्व पृष्ठ · पृष्ठ 10 के अंक · कुल अंक

[उत्तर - 15]

किसानों की बस्ती के चारों ओर खेत और मैदान होते हैं और इन्हीं खेतों के बीच में तालाब के किनारे उनकी बस्ती बसी होती है। इस बस्ती में वे अपने परिवार और पशुओं के साथ जीवन-यापन करते हैं तथा खेतों में कड़ी मेहनत करके भरपूर अन्न उपजाते हैं। हमारे किसान 'धन्य' हैं।

3

[उत्तर - 16]

	तत्सम	तद्भव
1.	वे शब्द जो वास्तव में मूल रूप से संस्कृत के हैं, परंतु ज्यों-का त्यों हिन्दी में प्रयुक्त किए जाते हैं, तत्सम कहलाते हैं।	वे शब्द, जो संस्कृत से हिन्दी में तो आए हैं, परंतु सीधे न आकर पालि, प्राकृत, अपभ्रंश से होते हुए हिन्दी में आए हैं, तद्भव कहलाते हैं।
2.	यह दो शब्दों के मेल से बना है - तत् + सम अर्थात उसके (संस्कृत) के समान।	यह दो शब्दों के मेल से बना है - तत् + भव, जिसका अर्थ है उससे (संस्कृत से) उत्पन्न।

CGBSE
www.STUDYDISCUSS.IN

तत्सम	तद्भव
3. कर्म, कंटक आदि तत्सम शब्द हैं।	काम, आँवला आदि तद्भव शब्द है।

(3)

[उत्तर - 17]

(i) जो सदा कर्तव्य का पालन करता है
⇒ कर्तव्यनिष्ठ।

(ii) पृथ्वी से उत्पन्न होने वाला -
⇒ पार्थिव।

(iii) जिसका कोई शत्रु नहीं जन्मा है -
⇒ अजातशत्रु।

(3)

[उत्तर - 18]

'अश्क' जी द्वारा रचित 'तौलिए' एकांकी में सामाजिक जीवन की समस्याओं को उभारा है। यह समस्या पति-पत्नी के मध्य उपस्थित है। इस एकांकी में बसंत और मधु के विपरीत जीवनशैली का वर्णन है।

CGBSE
WWW.STUDYDISCUSS.IN

12

516 + 4 = 552

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ12 के अंक | कुल अंक

बसंत एक मध्यमवर्गीय युवक है। वह औपचारिकताओं में नहीं मानता है। उसका मानना है कि अपने भावों, विचारों को नियमों में बाँधना उचित नहीं है। समाज के कल्याण के लिए वर्गीकरण उचित नहीं है।

परंतु इसके विपरीत मधु की जीवन शैली औपचारिकताओं से परिपूर्ण है। वह उच्चवर्ग से है तथा वह अपने हर कार्य को नियमों में बाँधे रखती है। दोनों के विचारों के मध्य असंतुलन के कारण दोनों में टकराव उत्पन्न होता रहता है।

इस एकांकी द्वारा यह समाधान बताया गया है कि इन समस्याओं को दूर करने के लिए परिवार के सदस्यों के मध्य विचारों का मेल होना आवश्यक है, खासकर पति-पत्नी के बीच।

4

CGBSE

13

योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 13 के अंक		कुल अंक
55½	+	—	=	55½

[उत्तर - 19]

राजेन्द्र प्रसाद

(अ) जन्म स्थान ⇒ बिहार राज्य के छपरा जिले के जीरादोई नामक ग्राम में प्रसाद जी का जन्म हुआ था।

वर्ष ⇒ सन् 1884 में प्रसाद जी का जन्म हुआ था।

(ब) दो रचनाएँ :- प्रसाद जी की दो रचनाएं इस प्रकार है :-

1. शिक्षा और संस्कृति,
2. बापू के कदमों में।

(स) भाषा एवं शैली की दो विशेषताएँ है :-

★ भाषा ⇒ 1) प्रसाद जी की भाषा सरल, सरस तथा विषय के अनुकूल है।

2) सर्वसाधारण की भाषा में छोटे-छोटे वाक्यों ने सहजता पर चार चाँद लगा दिए हैं।

CGBSE

WWW.STUDYDISCUSSION

* शैली ⇒ 1) प्रसाद जी की शैली में प्रवाह है। वर्णनात्मक शैली का प्रयोग किया गया है

2) इनकी शैली पाठक के मन में प्रभाव का उत्पादन करती है। शैली में प्रभावोत्पादकता है।

(5)

[उत्तर - 20]

(अ) बे उपसर्ग ⇒ बेशर्म, बेदर्द, बेनाम।

(ब) अतिथि का पर्यायवाची ⇒ मेहमान, आगंतुक।

(स) विलोम शब्द ⇒ 1. रक्षक - भक्षक।
2. मूक - वाचाल।

(द) तद्भव रूप ⇒ 1. छत्र = छाता।
2. अग्नि = आग।

(4)

CGBSE
WWW.STUDYDISCUSS.IN

[उत्तर = 21]

मीराबाई

(अ) * जन्म-स्थान ⇒ मीराबाई का जन्म राजस्थान के मेड़ता के निकट 'चौकड़ी' नामक ग्राम में हुआ था।

* वर्ष ⇒ मीराबाई का जन्म सन् 1498 के लगभग लगभग माना जाता है।

(ब) दो रचनाएँ :- मीराबाई की दो रचनाएँ इस प्रकार हैं :-

1. सोरठा के पद,
2. नरसी जी रो माहरो।

(स) * कलापक्ष :- मीराबाई की कलापक्ष की दो विशेषताएँ हैं :-

1. मीराबाई के सभी गीत गेय हैं। शास्त्रीय संगीत के विभिन्न रागों में रचे हुए हैं।

2. मीराबाई की ~~भाषा~~ भाषा ब्रजभाषा

CGBSE
WWW.STUDYDISCUSS.IN

16 | 63½ + 4 = 67½
योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ16 के अंक | कुल अंक

है। कहीं-कहीं पर राजस्थानी, गुजराती, पंजाबी तथा पश्चिमी हिन्दी भाषा भी देखने को इनकी रचनाओं में मिलती हैं।

★ भावपक्ष ⇒ मीराबाई के भावपक्ष विशेषतायें इस प्रकार हैं :-

(4)

(1) मीराबाई श्री कृष्ण को अपना आराध्य मानती थीं।

(2) लोकनिंदा की चिंता न करते हुए, नाम स्मरण के अर्चन-वंदन से वह भवसागर से पार होना चाहती थीं।

[उत्तर - 22] (अथवा)

★ "कर्तव्यपालन ------ नहीं चल सकता"।

संदर्भ ⇒ प्रस्तुत गद्यांश हमारे पाठ्य-पुस्तक 'सामान्य हिन्दी' के पाठ-5 'कर्तव्य और सत्यता' से अवतरित किया गया है, इसके लेखक श्री 'बाबू श्यामसुंदर दास' जी हैं।

CGBSE
WWW.STUDYDISCUSS.IN

प्रसंग :- प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने कर्तव्य और सत्यता के मध्य संबंध का वर्णन किया है।

व्याख्या :- लेखक कहते हैं कि कर्तव्यपालन और सत्यता में बड़ा ही घनिष्ठ संबंध है। वास्तव में ये एक-दूसरे के पूरक हैं। किसी भी कार्य को करते समय सत्यता अत्यंत आवश्यक होती है। सत्यता कर्तव्य को सही कार्य करने की एक नई दिशा देती है। जो मनुष्य अपना ~~कर्त्व~~ कर्तव्यों को पूरा करता है, उसके व्यवहार में तथा वचनों में सत्यता पायी जाती है। सही समय पर सही कार्य करके मनुष्य कर्तव्य में सफलता पाता है। सत्य के अभाव में सफलता नहीं मिलती है क्योंकि झूठ बोलने से कोई भी कार्य सिद्ध ~~नहीं~~ नहीं हो सकता है।

विशेष ⇒ 1. 'सत्यता से कार्य सफल होते हैं', यह बताया गया है।
2. भाषा सरल, सरस तथा स्वाभाविक है।
3. शैली गवेषणात्मक, ~~विचारात्म~~ विचारात्मक है।

CGBSE

उत्तर - 23 (अथवा)

* लगता है - - - - - नहीं दुबारा।

* संदर्भ ⇒ प्रस्तुत पद्यांश हमारे पाठ्य पुस्तक 'सामान्य हिन्दी' के पाठ - 1 'सारा देश हमारा' से ~~अ~~ अवतरित किया गया है। इसके कवि बालकवि बैरागी जी हैं।

* प्रसंग ⇒ प्रस्तुत पद्यांश में नवयुवकों को संकीर्ण विचारों को त्यागकर देश के प्रति समर्पित होने का संदेश दिया गया है।

* व्याख्या ⇒ कवि कहते हैं कि - हे नवयुवकों, तुम्हारे ताजे लहु अर्थात युवावस्था में जो अकर्मण्यता, दीनता और कायरत कायरता का जो आवरण पड़ गया है, उसे चीर डालो अर्थात नष्ट कर दो। तुम अपने मार्ग से मत भटको क्योंकि तुम ही भारत माता की भाग्य का ~~निर्माण~~ निर्माण करने वाले हो। तुम अपने साहस से संकीर्ण विचारों को नष्ट कर दो, भाषायी विवादों को जड़ से उखाड़ फेंको। यदि तुम स्वाभिमान

CGBSE
www.STUDYDISCUSS.IN

-के साथ जीना चाहते हो तो तुम्हें देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति भी देनी पड़ेगी । तुम्हें बलि देश के लिए अपना बलिदान देना होगा और ये पुण्य मुहूर्त बार -बार नहीं आता है । आज तुम्हारा यही नारा हो कि सारा देश हमारा है।

विशेष => 1. भारतीय नवयुवकों का आह्वान किया गया है।
2. वीर रस का प्रयोग किया गया है।
3. ओज गुण तथा मुक्त छंद का भी प्रयोग किया है।
4. भाषा खड़ी बोली है।

CGBSE
www.studiestoday.in

(20) 75 + 6 = 81
योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 20 के अंक | कुल अंक

[उत्तर = 24]

*अपठित गद्यांश :-

* निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

उत्तर => i. 'विश्वास - पात्र' मित्र को खजाने के समान समझना चाहिए। 2

6

उत्तर = (ii) 'विश्वास - पात्र' मित्र को ही जीवन की औषधि कहा गया है। 2

उत्तर = (iv) इस अपठित गद्यांश का उचित शीर्षक हो सकता है - 2

=> "सच्ची मित्रता"।

CGBSE
www.studydiscuss.in

21 | 81 + | = 81
योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 21 के अंक | कुल अंक

[उत्तर => 26]

प्रति, दिनांक - 11-3-19

सचिव,

छ.ग. माध्यमिक शिक्षा मण्डल,

रायपुर (छ.ग.)

विषय :- अंकसूची की द्वितीय प्रति प्राप्त करने हेतु।

महोदय,

सविनय निवेदन यह है कि मैंने सन् 2016 में दसवीं की बोर्ड परीक्षा दी थी। उसकी अंकसूची मुझे प्राप्त हो चुकि है। परंतु गलती से मुझसे वह सूची कहीं गुम हो गई है। उसके अभाव में मुझे कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है।

अतः महोदय से निवेदन है कि मुझे अंकसूची की द्वितीय प्रति प्रदान करने की कृपा करें। परीक्षा की सारी जानकारी तथा ₹ 60/- मनी ड्राफ्ट भी आवेदन में संलग्न है।

धन्यवाद !

4

भवदीय,

नाम - अब्बास

रोल नं. - 1122334455

* परीक्षा संबंधी जानकारी :-

1. परीक्षा का नाम - हाईस्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा - 2016
2. परीक्षा केन्द्र - आर. के. विद्यालय।

C G B S E

www.studiestoday.com

22

81	+	8	=	89
योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 22 के अंक		कुल अंक

रोल नं - 1122334455

नाम - अ ब स

पिता का नाम - X Y Z

(मनी आर्डर - ₹60)

8

C G B S E

WWW.STUDYDISCUSS.IN

[उत्तर - 25]

★ स्वच्छता अभियान में छात्रों की भूमिका

★ प्रस्तुति
★ स्वच्छता का अर्थ
★ स्वच्छता का महत्व
★ स्वच्छता अभियान
★ स्वच्छता अभियान में छात्रों की भूमिका
★ उपसंहार

★ प्रस्तुति ⇒ स्वच्छता में ही देव निवास करते हैं।

स्वच्छता का और जीवन का एक दूसरे से घनिष्ठ संबंध है। जहाँ स्वच्छता नहीं होती वहाँ जीवन नहीं जीया जा सकता है। सबके जीवन में स्वच्छता अत्यंत आवश्यक है तथा इसे अनदेखा नहीं किया जा सकता है। ~~सबके~~। कल्याण के लिए स्वच्छता होना अत्यंत आवश्यक होता है क्योंकि स्वच्छ वातावरण होगा तभी मनुष्य स्वस्थ रहेगा। तथा तरक्की कर सकेगा।

CGBSE

* स्वच्छता का अर्थ :-

स्वच्छता का शाब्दिक अर्थ होता 'साफ-सफाई'। अर्थात हमें हमें हमेशा हमारे घर को, वातावरण को स्वच्छ रखने का प्रयास करना चाहिए।

स्वच्छता से अभिप्राय केवल अपने घर की ही सफाई नहीं है अपितु पूरे देश की सफाई से है। हाँ, मैं मानता हूँ कि हम अकेले पूरा देश साफ नहीं कर सकते परंतु हम अपने आस-पास के इलाके को तो साफ कर ही सकते है। अगर हर व्यक्ति अपने वातावरण को साफ करने की ठान ले, तो पूरा देश स्वच्छ हो सकता है।

* स्वच्छता का महत्व :-

हमारे जीवन में स्वच्छता का बड़ा ही महत्वपूर्ण स्थान है। स्वच्छता के बिना हम सब का जीवन व्यर्थ है। अगर हमारा वातावरण शुद्ध होगा, तभी हम

CGBSE
www.sibdiscuss.in

पूरी क्षमता से अपना कार्य कर सकेंगे। स्वच्छता के अभाव में हम सब अस्वस्थ हो जाएंगे तथा देश की उन्नति में सहभागी नहीं बन पाएंगे। स्वच्छता के महत्व के विषय में गाँधी जी ने कहा था -

"स्वच्छता स्वतंत्रता से भी अधिक महत्वपूर्ण है।" - महात्मा गाँधी

* स्वच्छता अभियान =>

स्वच्छता के महत्व को ध्यान में रखते हुए हमारे वर्तमान प्रधानमंत्री श्रीमान नरेन्द्र मोदी जी ने 2nd October 2014 को गाँधी जयंती के अवसर पर एक अभियान शुरू किया जिसका नाम था "स्वच्छता अभियान" जिसके तहत अनेक स्वच्छता योजनाएँ चलाई गई है। मोदी जी ने इस अभियान को और प्रभावी बनाने के लिए "नवरत्नों" की स्थापना की जिसमें अनेक हस्तियों में से नौ रत्नों को चुना गया जैसे श्रीमान अमिताभ बच्चन जी, तारक मेहता का उल्टा चश्मा की टीम आदि हस्तियों को स्वच्छ भारत मिशन का मुख्य दूत बनाया गया। अनेकों शौचालय बनवाएँ गए, सारे

CGBSE

कचरों को साफ करने हेतु योजनाएँ बनाई गई। गंगा, यमुना आदि पवित्र नदियों को साफ करने का कदम उठाया।

* स्वच्छता अभियान में छात्रों कि भूमिका :-

इस देश के छात्र देश का भविष्य हैं। अगर उन्हें जागरूक नहीं किया गया तो सारे कदम उठाना व्यर्थ हो जाएगा क्योंकि ये ही देश का आने वाला कल हैं।

छात्रों ने भी इस अभियान में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। विद्यालयों में भी स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन कराया गया तथा सबने मिलकर अपने आस-पास के इलाकों की साफ-सफाई की।

छात्रों में यह शक्ति है कि वे देश का भविष्य बदल सकते हैं। छात्रों को गाँवों में जाकर अनपढ़ तथा असभ्य लोगों का स्वच्छता का महत्व बताना चाहिए तथा स्वच्छता बनाए रखने के सुझाव देने चाहिए। उनके इस कदम से स्वच्छता अभियान

CGBSE

27 | 89 | + | 6 | = | 95
योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ27 के अंक | कुल अंक

सफल हो सकेगा।

* उपसंहार =>
चाहे कितने अभियान ही क्यों न चालू किए जाएँ, परंतु जब तक हम देशवासी जागरूक नहीं होंगे, तब तक सफलता पाना असंभव है।

अतः यह हम देशवासियों का कर्तव्य है कि जिस जन्मभूमि में जन्म लेकर, यहाँ का अन्न, जल खाकर हम बड़े हुए है, हमारा भी मातृभूमि के प्रति कर्तव्य बनता है कि हम सब मातृभूमि को साफ, स्वच्छ रखें, तथा इसका कल्याण करने का प्रयास करें।

"स्वच्छता देवत्व की छोटी बहन है"।

"एक कदम स्वच्छता की ओर"
- स्वच्छ भारत मिशन।

धन्यवाद!

CGBSE
WWW.STUDYDISCUSSION

40

योग पूर्व पृष्ठ	+	पृष्ठ 40 के अंक	=	कुल अंक
				95

95/100

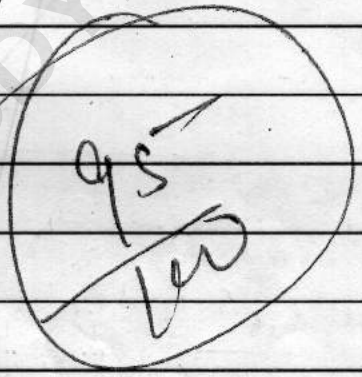

C G B S E

WWW.STUDYDISCUSS.IN